Curriculum and Credit Framework

As per NEP 2020

For

M.A. Hindi

(To be effective from the Academic Session 2024-2026)

Department of Indian Knowledge and Languages

Gurugram University, Gurugram (A State Govt. University Established Under Haryana Act 17 Of 2017)

Page No. – 1-69

एम.ए. (हिंदी) पृष्ठभूमि

एम ए (हिंदी) एक स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जो हिंदी भाषा, साहित्य, और संस्कृति के व्यापक अध्ययन पर केंद्रित है। यह कार्यक्रम छात्रों को हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों, साहित्यिक आंदोलनों, और प्रमुख लेखकों की कृतियों का गहन अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भाषा और साहित्य में गहन ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ आलोचनात्मक और सृजनात्मक सोच विकसित करना है।

एम. ए. (हिंदी) का उद्देश्य

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान एवं भाषा विभाग बहुमुखी संकाय के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहा है । इस विभाग के अंतर्गत हिंदी विषय का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र में बढ़ती हिंदी की महत्ता से परिचित कराते हुए उन्हें भाषा, साहित्य , मूल्यों और भारतीय संस्कृति के ज्ञान एवं योग्यता के साथ उनका सर्वांगीण विकास करना है।विभाग के प्राध्यापक समर्पित एवं अनुभवी शिक्षाविद् है जो विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए सदैव तत्पर रहते हैं । विद्यार्थियों की अकादमिक प्रगति के साथ उनकी रुचि, व्यक्तित्व विकास और भविष्योंमुखी योजनाओं को लेकर वैयक्तिक रूप से उनका मार्गदर्शन करते हैं। हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना और स्वरूप छात्रों के समग्र विकास को उद्धृत करने एवं हिंदी को रोज़गारोन्मुखी बनाने के लिए व्यावसायिक एवं संचार कौशल , अनुवाद ,व्यक्तित्व विकास , शोध , अभिव्यक्ति कौशल , पत्रकारिता ,सृजनात्मक लेखन , भाषा विज्ञान एवं कार्यालयी हिंदी आदि विषयों के विशिष्ट ध्येय को ध्यान में रखकर बनाया गया है । हिंदी से स्नातकोत्तर करने के साथ इस विषय में विद्यार्थी स्नातक शिक्षण प्रशिक्षण , जनसंचार , पटकथा , संवाद लेखन , अनुवाद , लोकप्रशासन एवं राजभाषा जैसे आकर्षक क्षेत्रों में शिक्षा एवं रोज़गार के अवसर चुन सकते हैं । 'सीखने की प्रक्रिया जीवनपर्यंत सक्रिय है' एवं 'सतत् विकास' की धारणा पर विभाग कार्यरत है। भारतीय ज्ञान एवं भाषा विभाग के द्वारा समय -समय पर सम्मेलनों, गोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है । हिंदी पाठ्यक्रम का प्राथमिक लक्ष्य ज्ञान परंपरा की गहराईयों में उतरना , अतीत को वर्तमान से और मानवीय संवेदना से जोड़ना है।

1. Programme Educational Objectives (PEOs)

PEO	Description
PEO-1	गहन साहित्यिक अध्ययन
PEO-2	भाषा और साहित्य का समन्वय
PEO-3	सांस्कृतिक और सामाजिक समझ
PEO-4	अनुसंधान और शैक्षणिक कौशल
PEO-5	व्यावसायिक संभावनाएं
PEO-5	वैश्विक दृष्टिकोण

मुकेश कुमारी

2. Programme Outcomes

PO	Description
PO-1	आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन करना।
PO-2	हिंदी साहित्य इतिहास लेखन परंपरा के प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।
PO-3	साहित्यिक कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट करना ताकि छात्रों में भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित की जा सके।
PO-4	सिनेमा और साहित्य जगत के विश्लेषण की क्षमता उत्पन्न करना। मीडिया के कार्य क्षेत्र तथा वैश्विक प्रभाव की समझ विकसित करना और एक तार्किक सोच का निर्माण करना।
PO-5	भाषा की विशेषताओं तथा उसके विभिन्न प्रयोगों/उपयोगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
PO-6	विभिन्न संस्थाओं के लिए प्रोफाइल लेखन संबंधी कौशल प्रदान करना।
PO-7	हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन, ताकि इतिहास लेखन और इतिहास की समझ विकसित हो सके।
PO-8	हिंदी साहित्य के अंतर्गत नाटकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं भारतीय पाश्चात्य संस्कृति का ज्ञान देना।

3. Programme Specific Outcomes

PSO	Description
PSO-1	आधुनिक हिंदी काल में रचित हिंदी कविता की विविध प्रवृतियों को समझना।
PSO-2	आधुनिक काल में रचित विविध गद्य विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन ताकि उनके माध्यम से साहित्य एवं समाज के अंतर संबंध की जानकारी हो सके।
PSO-3	हिंदी साहित्य के इतिहास के विविध सोपानों के माध्यम से साहित्यिक विकास की जानकारी प्रदान करना।
PSO-4	आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।
PSO-5	भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप की सैद्धांतिक जानकारी देना । कोश विज्ञान की जानकारी प्रदान करना ।

व्यवसाय के अवसर-

- **अकादमिक:** विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षण और अनुसंधान पद।
- **अनुवाद और व्याख्या:** हिंदी ग्रंथों का अनुवाद और प्राचीन पांडुलिपियों की व्याख्या में पेशेवर कार्य।
- **सिविल सेवा:** सरकारी विभागों में प्रशासनिक भूमिकाओं में काम करना , जहां हिंदी का ज्ञान आवश्यक है। विभिन्न सरकारी संगठनों में हिंदी अधिकारी या भाषा विशेषज्ञ के रूप में सेवा देना।
- **सांस्कृतिक अधिकारी:** सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करना तथा सांस्कृतिक संस्थानों, दूतावासों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करना।
- **प्रकाशन:** शास्त्रीय और अकादमिक ग्रंथों में विशेषज्ञता रखने वाले प्रकाशनों में संपादकीय और लेखन पद।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम एक समृद्ध शैक्षणिक यात्रा है, जो न केवल गहन भाषाई और साहित्यिक ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि छात्रों को प्राचीन भारत की सांस्कृतिक संपन्नता से भी जोड़ती है।

योग्यता:

उम्मीदवार को किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए, जिसमें कम से कम **50%** अंक (केवल हरियाणा के **SC/ST/**दिव्यांग उम्मीदवारों के मामले में **47.5%** अंक) होने चाहिए।

Scheme of Programme

(Scheme PG A1: Postgraduate Programmes
(Course work only)

Semester 1

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
						Core Course(s)								
CC-A01	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	241/HIN/CC101	3	1					4	30	70			100
CC-A02	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)	241/HIN/CC102	3	1					4	30	70			100
CC-A03	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	241/HIN/CC103	3	1					4	30	70			100
						Discipline Specific Elective Courses								
DSE-01	हिंदी लोकनाट्य और हिंदी लोक कथा: उद्भव और विकास	241/HIN/DS101	2	1					3	25	50			75
						Multidisciplinary Course(s)								
MDC-01	हिंदी यात्रा साहित्य	241/HIN/MD101	2	1					3	25	50			75
						Ability Enhancement Course(s)								
AEC-01	हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति- I	241/HIN/AE101	1	1					2	15	35			50
						Value-added Course(s)								
VAC-01	हिंदी साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा	241/HIN/VA101	2	-	-	2			2	15	35			50
Total Credits									22					

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A04	आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	241/HIN/CC204	3	1					4	30	70			100
CC-A05	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	241/HIN/CC205	3	1					4	30	70			100
CC-A06	भारतीय काव्यशास्त्र	241/HIN/CC206	3	1					4	30	70			100
Discipline Specific Elective Courses														
DSE-02	हिंदी भाषा और लोक साहित्य **और** हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य	241/HIN/DS202	2	1					3	25	50			75
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-02	गांधी दर्शन एवं हिंदी साहित्य	241/HIN/MD202	2	1					3	25	50			75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-02	हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति - II	241/HIN/AE202	1	1					2	15	35			50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-01	हिन्दी भाषा का रचनात्मक स्वरूप	241/HIN/SE201	**1**		**1**				**2**	**5**	**20**	**5**	**20**	**50**
Total Credits									**22**					

Semester 3

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A07	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य-I	241/HIN/CC307	3	1					4	30	70			100
CC-A08	आधुनिक गद्य साहित्य	241/HIN/CC308	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A09	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	241/HIN/CC309	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
Discipline Specific Elective Courses														
DSE-03	हिंदी भाषा: व्यावहारिक कौशल एवं अभिवृद्धि और हिंदी भाषा एवं कोश विज्ञान	241/HIN/DS303	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-03	भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच	241/HIN/MD303	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-02	मौखिक भाषायी दक्षता	241/HIN/SE302	1		1				2	5	20	5	20	50
Value-added Course(s)														
VAC-02	पर्यावरण और हिंदी साहित्य	241/HIN/VA302	2	-	-	2	-	-	2	15	35	-	-	50
Seminar														
Seminar	व्यावहारिक एवं प्रायोगिक अनुवाद		1	1					2	15		35		50
Internship/Field Activity#														
Internship/ Field Activity					4				4			30	70	100
Total Credits									28					

#Four credits of internship earned by a student during summer internship after 2nd semester will be counted in 3rd semester of a student who pursue 2 year PG Programme without taking exit option.

Semester 4

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A10	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य -2	241/HIN/CC410	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
CC-A11	नाटक एवं रंगमंच	241/HIN/CC411	3	1	-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
Discipline Specific Elective Courses														
DSE-04	हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल" और "प्रयोजनमूलक हिंदी"	241/HIN/DS404	2	1	-	-	-		3	25	50	-	-	75
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-04	हिंदी साहित्य: विविध विमर्श	241/HIN/MD404	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-03	हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति – - III	241/HIN/AE403	1	1	-	-	-	-	**2**	15	35	-	-	50
Community Engagement/Field Work/Survey/Seminar														
	लघु शोध प्रबंध/ संगोष्ठी/सामुदायिक सहभागिता/क्षेत्र कार्य/ सर्वेक्षण				6				6			50	100	150
Total Credits									22					

Details of courses

	After 2 years		
	No of courses	No of credits per course	Total no of credits
Core Courses	11	4	44
Discipline-specific Elective Courses	4	3	12
Multidisciplinary Course	4	3	12
Ability Enhancement Courses	3	2	6
Skill Enhancement Courses	2	2	4
Value Added Courses	2	2	4
Internship/Project/training	1	4	4
Seminar	2	4	8
TOTAL			94

SYLLABUS

एम.ए. हिंदी (प्रथम सेमेस्टर)

CC-आधुनिक हिंदी कविता(छायावाद तक)

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय :3 घंटे

Course Title	आधुनिक हिंदी कविता(छायावाद तक)	Credit
Course ID	241/HIN/CC101	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान कराना।
आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित होगी।
आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई1 : पाठ्य विषय-

1) मैथिलीशरण गुप्त: साकेत (नवम सर्ग)
2) जयशंकर प्रसाद : कामायनी(श्रद्धा एवं रहस्य सर्ग)

इकाई 2 : पाठ्य विषय-

1) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राम की शक्ति पूजा, स्नेह निर्झर बह गया. संध्या सुंदरी, मैं अकेला , तोड़ती पत्थर, बादल राग(प्रथम खंड)
2) रामधारी सिंह दिनकर :कुरुक्षेत्र (षष्ठम सर्ग)

इकाई 3 : -

साकेत: राम काव्य परंपरा और साकेत ,साकेत का महाकाव्य तत्व ,मैथिली शरण गुप्त की नारी विषयक दृष्टि, काव्य वैशिष्ट्य

कामायनी :कामायनी का महाकाव्य तत्व. रूपक तत्व ,कामायनी की दार्शनिक पृष्ठभूमि, कामायनी का आधुनिक संदर्भ ,प्रसाद का सौंदर्य बोध

इकाई 4 : -

निराला :छायावादी काव्य परंपरा में निराला का स्थान, निराला के काव्य में प्रयोगशीलता ,निराला की प्रगतिशील चेतना, राम की शक्ति पूजा का मूल कथ्य

कुरुक्षेत्र: उत्तर छायावादी काव्य और दिनकर का काव्य शिल्प, दिनकर की जीवन दृष्टि , मूल प्रतिपाद्य

संदर्भ पुस्तकें :

1. मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संस्कृति आख्या, डॉ. उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. मैथिलीशरण गुप्त और साकेत: डॉ. ब्रजमोहन वर्मा, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर।
3. साकेत एक अध्ययन: डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. संपूर्ण कामायनी (पाठ- अर्थ- समीक्षा): डॉ. हरिशंकर प्रसाद गुप्त, भाषा साहित्य प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. निराला की साहित्य साधना: डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. निराला: डॉ. पद्म सिंह शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. निराला और नवचेतनायुग: डॉ. रामरतन भटनागर, साथी प्रकाशन, सागर।
8. निराला: डॉ. रामविलास शर्मा, शिवालाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
9. निराला की साहित्य साधना (1, 2, 3 भाग): डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली।

निर्देश:

1. इकाई1 और इकाई 2 से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल 4 अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं 3 अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 3 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (प्रथम सेमेस्टर)
CC-हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल)

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	**241/HIN/CC102**	**Credit**
Course Title	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से मध्यकाल)	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान कराना ।

इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

इतिहास लेखन और इतिहास की समझ विकसित होगी।

हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन होगा ।

<u>पाठयक्रम</u>

इकाई1. हिंदी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्वपीठिका:

- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा , साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
- हिंदी-साहित्य का इतिहास: काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण।

इकाई2. आदिकाल:

- नामकरण और सीमा , परिस्थितियाँ - ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक।
- आदिकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ और रासो काव्य परंपरा एंव पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता ।

इकाई3. भक्तिकाल:

- परिस्थितियाँ : ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक ।
- भक्तिकालीन आंदोलन , भक्तिकाल - स्वर्ण युग ।
- भक्तिकालीन काव्य-धाराएँ: विशिष्टता और अवदान ।
- संत काव्य-धारा: विशिष्टता , सूफी काव्य-धारा: विशिष्टता ।
- राम काव्य-धारा: विशिष्टता , कृष्ण काव्य-धारा: विशिष्टता ।

इकाई 4. रीतिकाल:

- नामकरण और सीमा , परिस्थितियाँ - ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक।
- रीतिकालीन काव्य की आवश्यकताएँ।
- विभिन्न काव्य-धाराओं की विशेषताएँ: रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध , रीतिमुक्त

<u>संदर्भ पुस्तकें</u>

1. डॉ. रामचन्द्र शुक्ल - हिन्दी साहित्य का इतिहास
2. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी - हिन्दी साहित्य की भूमिका
3. डॉ. नामवर सिंह- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
4. डॉ. नगेंद्र - हिन्दी साहित्य का आदिकाल
5. डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र- हिन्दी साहित्य के इतिहास के सिद्धांत
6. डॉ. बच्चन सिंह - हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास
7. डॉ. विनय मोहन शर्मा - आधुनिक साहित्य की समस्याएँ
8. डॉ. रामविलास शर्मा - भारतीय नवजागरण और हिन्दी साहित्य
9. डॉ. मोतीलाल चतुर्वेदी - हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से आधुनिक काल तक

<u>निर्देश</u> :

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्न का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी (प्रथम सेमेस्टर)
CC-भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	241/HIN/CC103	Credit
Course Title	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:
भाषा विज्ञान की विशिष्ट समझ विकसित करना।
भाषा की विशेषताओं और उसके उपयोग का विश्लेषण करना।
पाठ्यक्रम परिणाम :
भाषा और उसके उपयोग का ज्ञान , भाषा संबंधी विभिन्न पद्धतियों का ज्ञान हो सकेगा ।
भाषा की व्यवस्था और व्यवहार , भाषा की संरचना , भाषा के अध्ययन की दिशाएं ज्ञात होंगी।

<u>पाठ्यक्रम</u>

इकाई1.- भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति , भाषा के अध्ययन क्षेत्र

- भाषा की व्यवस्था और व्यवहार एवं भाषा की संरचना ।
- भाषा के अध्ययन की दिशाएं (वर्णनात्मक ,ऐतिहासिक ,तुलनात्मक)

इकाई2. हिंदी भाषा का इतिहास: आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय- हर्नल और ग्रियर्सन का वर्गीकरण

- प्राचीन भारतीय आर्य भाषा(वैदिक,लौकिक,संस्कृत)
- मध्य युगीन भारतीय आर्य भाषा (पाली ,प्राकृत ,अपभ्रंश)

- **इकाई 3.हिंदी का विकासात्मक स्वरूप:**
- हिंदी की उपभाषाएं - पूर्वी तथा पश्चिमी हिंदी तथा उनकी बोलियां एवं मानक हिंदी का स्वरूप ।
- काव्य -भाषा के रूप में अवधी एवं ब्रज का विकास, साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का विकास , हिंदी की संवैधानिक स्थिति ।

इकाई 4.हिंदी का भाषिक स्वरूप :

- हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ - लिंग, वचन, पुरुष, कारक-विभक्ति और काल की व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी संज्ञा, सर्वनाम ,विशेषण और क्रिया रूप , स्वन- परिभाषा एवं वर्गीकरण, स्वर्णिम स्वरूप और वर्गीकरण ।
- हिंदी के विविध रूप- बोली ,भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा ।

नागरी लिपि और हिंदी प्रचार प्रसार-

- नागरी लिपि का नामकरण और विकास , नागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं मानकीकरण ।
- नागरी लिपि की विशेषता , भाषा विज्ञान और व्याकरण

संदर्भ पुस्तकें:

1. भाषा विज्ञान और मानक हिंदी – डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन।
2. भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ. नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी।
3. भाषा विज्ञान – डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल पब्लिकेशन।
4. हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल।
5. भाषा विज्ञान की भूमिका - प्रोफेसर देवेंद्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन।
6. हिंदी भाषा का इतिहास- डॉ. धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तान अकैडमी।
7. हिंदी उपयोग, विकास और रूप – डॉ. हरदेव बिहारी, किताब महल।
8. सामान्य भाषा विज्ञान - बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन।
9. व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषण – डॉ. दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी।

निर्देश :

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा ।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंक का होगा ।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा ।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (प्रथम सेमेस्टर)
DSE - हिंदी लोकनाट्य / हिंदी लोक कथा उद्भव और विकास

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/DSE101	Credit
Course Title	हिंदी लोकनाट्य	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन करना।
लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना, हिंदी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।
पाठ्यक्रम परिणाम :
लोकनाट्य की संपूर्ण भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
विभिन्न प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।

पाठ्यक्रम:

इकाई-1 लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
पारंपरिक एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भारतीय प्राचीन नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक लिखित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई-2: प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय :यक्षगान, सांग, नौटंकी, तमाशा, भवाई, पंडवानी, बुंदेलखंडी।

इकाई-3- पाठ्यपरक अध्ययन: सत्यवान सावित्री - लखमीचन्द

संदर्भ पुस्तकें :-
1. हिंदी साहित्य का वृहद् इतिहास ,नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. भारतीय लोकनाट्य , विशिष्ट नारायण त्रिपाठी, वाराणसी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय लोक साहित्य ,परंपरा और परिवेश , विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
4. रंगभूमि ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी।
5. लोक साहित्य : पाठ और परख - विद्या सिन्हा, अर्वाचीन प्रकाशन, नोएडा।
6.लवकाय ठाकुर यशिनावरी - (संपादक) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।

मुकेश कुमारी

7.परंपराशील नाट्य - जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
8.हमारे लोकधर्मी नाट्य - श्याम परमार, लोकचांग, उदयपुर, राजस्थान।
9.पारंपरिक भारतीय रंगमंच: अनंत धाराएं - कपिला वात्स्यायन।

निर्देश:

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या 4 होगी जिसमें से परीक्षार्थियों को कुल 2 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 10 लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिसमें से परीक्षार्थियों को 200 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (प्रथम सेमेस्टर)
DSE- हिंदी लोक कथा उद्भव और विकास

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/DSE102	Credit
Course Title	हिंदी लोक कथा उद्भव और विकास	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना।

लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना, हिंदी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम :

लोकनाट्य की संपूर्ण भारतीय परंपरा का ज्ञान प्राप्त होगा।

आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विभिन्न लोक-नाट्य शैलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 **लोक साहित्य का परिचय** - लोक शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ व विश्लेषण
लोकवार्ता व लोक साहित्य , लोकसाहित्य की विभिन्न विधाएं

इकाई- 2 **लोककथा का इतिहास व वर्गीकरण**
लोककथा- अर्थ, अवधारणा, स्वरूप , लोककथा का इतिहास, विकास व परंपरा , लोककथा का वर्गीकरण

इकाई-3 **भारत के विभिन्न प्रदेशों की लोककथाएँ**
लोककथा में कथावाचक और श्रोता की भूमिका , श्रुति परंपरा में लोककथा , वक्ता और श्रोता का दायित्व
हरियाणवी, राजस्थानी लोककथाओं की लोकपरंपराएँ

संदर्भ पुस्तकें:

1. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास- सोलहवां भाग, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. भारतीय लोकसाहित्य- परंपरा और परिदृश्य, विद्या सिन्हा, प्रकाशन, विभाग, नई दिल्ली
3. लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी
4. लोक साहित्य- पाठ और परख-विद्या सिंहा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
5. ब्रज की लोक कथाएं एक अध्ययन- डॉ. ब्रजभूषण चतुर्वेदी 'दीपक' वृन्दावन शोध संस्थान
6. भारतीय लोक साहित्य- श्याम परमार, राजकमल पब्लिकेशन, मुम्बई

निर्देश-

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या 4 होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल 2 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

[illegible]

[illegible]

एम.ए. हिंदी (प्रथम सेमेस्टर)
MDC- हिंदी यात्रा साहित्य

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	**241/HIN/MD101**	**Credit**
Course Title	**MDC-हिंदी यात्रा साहित्य**	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना एवं विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।
पाठ्यक्रम परिणाम :
यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी , विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचत होंगे।

<u>पाठ्यक्रम:</u>

इकाई 1 : यात्रा साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
यात्रा साहित्य का अर्थ और स्वरूप , यात्रा साहित्य का महत्त्व , यात्रा साहित्य की विशेषताएँ
हिंदी यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय - स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
-स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय

इकाई 2 : यात्रा वृतांत- किन्नर देश में- राहुल सांकृत्यायन
1) राहुल सांकृत्यायन की यात्रा वृतांत कला पर प्रकाश
2) लेखक का जीवन परिचय
3) किन्नेर देश में: सारांश
4) हिंदी यात्रा वृतांत के विकास में राहुल सांकृत्यायन का स्थान निर्धारित कीजिये

अरे यायावर रहेगा याद- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
1) अज्ञेय की यात्रा वृतांत कला पर प्रकाश
2) लेखक का जीवन परिचय
3) अरे यायावर रहेगा याद: सारांश
4) अरे यायावर रहेगा याद : विशेषताएं

इकाई 3 : यात्रा वृतांत-चीड़ों पर चाँदनी- निर्मल वर्मा (अनुक्रम के अनुसार केवल 9वां यात्रा संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी')

1) निर्मल वर्मा की यात्रा वृतांत कला पर प्रकाश
2) लेखक का जीवन परिचय
3) चीड़ों पर चाँदनी : सारांश
4) चीड़ों पर चाँदनी : विशेषताएं

संदर्भ पुस्तकें:

1. सांगानेरिया, सांवरमल, ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. सांकृत्यायन, राहुल, किन्नर देश में, किताब महल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. अज्ञेय, अरे यायावर रहेगा याद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. वर्मा, निर्मल, चीड़ों पर चाँदनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. उप्रेती, रेखा प्रवीण, हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
6. नगेंद्र, डॉ., साहित्य का समाजशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण, कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. दिनकर, रामधारी सिंह, संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. शर्मा, मुरारीलाल, हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी (प्रथम सेमेस्टर)
VAC- हिंदी साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा

पूर्णांक :50
बाह्य लिखित परीक्षा :35
आंतरिक मूल्यांकन :15
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	**241/HIN/VA101**	**Credit**
Course Tittle	**हिंदी साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा**	2

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

वियार्थियों को भारत की गौरवशाली परंपरा से परिचित कराना।

विद्यार्थी भारत की प्राचीन और आधुनिक शिक्षा पद्धति का विश्लेषण कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम परिणाम :

विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य की समझ के आधार पर जीवन की समस्याओं का समाधान करने में सफल हो सकेंगे।

भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय एवं भारत की गौरवशाली परंपरा का ज्ञान प्राप्त होगा ।

<u>पाठ्यक्रम:</u>

इकाई 1 : भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा:-

भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा और आयाम
भारतीय ज्ञान परंपरा का संक्षिप्त इतिहास
हिंदी साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका व इतिहास
हिंदी साहित्य का पूर्व मध्यकाल

इकाई 2 : भारतीय ज्ञान परंपरा - अतीत और वर्तमान:-

वेद और उपनिषदों का संक्षिप्त परिचय
प्राचीन शिक्षा पद्धति और विद्यापीठ
हिंदी साहित्य में विभिन्न भारतीय संप्रदाय व मत
नव्य दर्शन और आधुनिक भारत
भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

संदर्भ पुस्तकें-

1. भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक , शुक्ल, रजनीश कुमार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतबोध का नया समय , द्विवेदी, संजय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
3. संतों के संवाद,उदय प्रताप सिंह, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत नई दिल्ली
4. भक्ति का संदर्भ ,देवी शंकर अवस्थी , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सात भारतीय संत, जीवन दर्शन और संदेश, डॉ. बलदेव वंशी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत नई दिल्ली
6. रामचरितमानस ,तुलसीदास, गीताप्रेस गौरखपुर
7. निर्गुण संतों के स्वप्न, डेविड एन. लॉरेंजन, अनुवाद धीरेन्द्र बहादुर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या चार होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 16 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल छः लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमे से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी (प्रथम सेमेस्टर)
AEC-01 हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति- I

पूर्णांक :50
बाह्य लिखित परीक्षा :35
आंतरिक मूल्यांकन :15
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/AE101	Credit
Course Title	हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति- I	2

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

रचनात्मक लेखन का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।

रचनात्मक लेखन और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग करना।

पाठ्यक्रम परिणाम :

रचनात्मक लेखन और हिंदी साहित्य की सैद्धांतिक समझ विकसित हो सकेंगी।

रचनात्मक लेखन के विश्लेषण की क्षमता विकसित हो सकेंगी।

पाठ्यक्रम :

इकाई -1 : रचनात्मक लेखन से अभिप्राय, परिभाषा, अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत

रचनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों का संक्षिप्त परिचय- मौखिक, लिखित, गद्य-पद्य, नाट्य-पाठ्य, मुद्रित-इलेक्ट्रानिक

विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र- साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन

इकाई -2 विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

कविता- संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति, और तुक

कथा साहित्य- वस्तु, पात्र ,परिवेश एवं विमर्श

मीडिया तथा फीचर लेखन से अभिप्राय : स्वरूप, महत्व, क्षेत्र

फीचर लेखन की विशेषताएं

फीचर लेखन की रचना प्रक्रिया

संदर्भ पुस्तकें:

1. मीडिया लेखन कला : सूर्य प्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल
2. फीचर लेखन : पूरचंद टंडन, सुनील तिवारी
3. रचनात्मक लेखन : सं. रमेश गौतम, राजेंद्र गौतम, प्रभात रंजन
4. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद- सुरेश सिंहल, पूरनचंद टंडन

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या 4 होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल 2 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 16 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमे से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा ।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी (द्वितीय सेमेस्टर)
CC-आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	241/HIN/CC204	Credit
Course Title	आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	4

पाठयक्रम उद्देश्य:

आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।
आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों का ज्ञान प्रदान करना।

पाठयक्रम परिणाम:

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित होगी।
आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन कर पाएंगे।

पाठयक्रम :

इकाई 1 : पाठ्य विषय:-

सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय: असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूँद सहसा उछली ।

नागार्जुन : चन्दू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, तीन दिन तीन रात ।

इकाई 2 :- पाठ्य विषय:-

गजानन माधव मुक्तिबोध: अंधेरे में, भूल गलती ।

रघुवीर सहाय : : पढ़िए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लड़की , रामदास, औरत की चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा ।

इकाई 3 :-

1. अज्ञेय : प्रयोगवादी परम्परा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, अज्ञेय की कविता 'असाध्य वीणा' का प्रतिपाद्य, काव्य भाषा।
2. नागार्जुन : नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक दृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, नागार्जुन की काव्य भाषा।

इकाई 4 :-

1. गजानन माधव मुक्तिबोध : मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्तिबोध की विश्व दृष्टि, मुक्तिबोध की कविता 'अंधेरे में' का प्रतिपाद्य, मुक्तिबोध की सामाजिक चेतना, काव्य भाषा।
2. रघुवीर सहाय : स्वातंत्र्योत्तर युग और रघुवीर सहाय की कविता, रघुवीर सहाय का राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, रघुवीर सहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्ट्य , काव्य भाषा।

संदर्भ पुस्तकें :

1. अज्ञेय कवि , डॉ० ओम प्रकाश अवस्थी
2. अज्ञेय की रचना संसार सम्पादक, गंगा प्रसाद विमल
3. अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन ,डॉ० चन्द्रकांत वांदिवडेकर
4. अज्ञेय , सम्पादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. आज के प्रतिनिधि कवि ,अज्ञेय डॉ० विद्यानिवास मिश्र
6. नागार्जुन की कविता, डॉ० अजय तिवारी
7. नागार्जुन की काव्य यात्रा ,रतन कुमार पाण्डेय
8. नागार्जुन की कविता में युगबोध ,चन्द्रिका ठाकुर
9. नागार्जुन और उनका रचना संसार, विजय बहादुर सिंह
10. मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया ,अशोक चक्रधर
11. मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब,चंचल चौहान
12. मुक्तिबोध की आत्मकथा, विष्णु चंद शर्मा
13. रघुवीर सहाय , सम्पादक विष्णुनागर और असद जैदी, आधार प्रकाशन, पंचकूला ।

निर्देश :

1 इकाई 1 और इकाई 2 में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल 4 अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं 3 अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

2 इकाई-3 और इकाई 4 में निर्धारित विषयों में से कोई 6 प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 3 प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होंने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (द्वितीय सेमेस्टर)
CC- हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	**241/HIN/CC205**	**Credit**
Course Title	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:
हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान एवं इतिहास लेखन|
प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।
पाठ्यक्रम परिणाम:
इतिहास लेखन और इतिहास की समझ विकसित होगी ।
हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

<u>पाठ्यक्रम</u>
इकाई -1

- आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास परिवेश, राजनीतिक ,सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक एवं साहित्यिक,1857 ई की क्रांति और पुनर्जागरण |
- भारतेंदु युग : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- द्विवेदी युग: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- छायावादी काव्य: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं

इकाई -2

- उत्तर छायावादी काव्य: प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृत्तियां
- प्रगतिवाद: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- प्रयोगवाद: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- नई कविता:प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- नवगीत: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- समकालीन कविता: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं

इकाई -3 - हिंदी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास –
कहानी ,नाटक ,संस्मरण, जीवनी ,उपन्यास, निबंध, आत्मकथा

इकाई-4 हिंदी के प्रचार में योगदान देने वाली प्रमुख संस्थाएं - नागरी प्रचारिणी सभा (वाराणसी),हिंदी साहित्य सम्मेलन(प्रयाग),बिहार राष्ट्रभाषा परिषद(पटना), दक्षिण भारत प्रचार समिति (चेन्नई), केंद्रीय हिंदी संस्थान (आगरा),केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद(दिल्ली), वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग नई दिल्ली)

हिंदी के प्रचार में योगदान देने वाली प्रमुख पत्रिकाएं- कवि वचन सुधा ,हिंदी प्रदीप, आनंद कादंबिनी, ब्राह्मण, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा ,सुधा ,माधुरी ,मतवाला ,विशाल भारत, चांद ,हंस , धर्म युग।

संदर्भ पुस्तकें

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा ,काशी।
2. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. रामकुमार वर्मा, राम नारायण लाल, बेनी प्रसाद ,इलाहाबाद।
3. हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी अंतर चंद्र कपूर एंड संस ,नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का इतिहास, संपादक,डॉ. नगेंद्र ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली।
6. हिंदी का गद्य साहित्य डॉ. रामचंद्र तिवारी , नवदीप प्रकाशन ,वाराणसी।
7. मध्यकालीन काव्य साधना,डॉ. रामचंद्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन ,अयोध्या, फैजाबाद।
8. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली|

निर्देश:

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे ,जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा ,प्रत्येक प्रश्न 4 अंको का होगा, पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (द्वितीय सेमेस्टर)
CC-भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	241/HIN/CC206	Credit
Course Title	भारतीय काव्यशास्त्र	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

भारतीय काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना।
विद्यार्थियों में कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन के विभिन्न पक्षों की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी प्राप्त होगी तथा वे अतीत और वर्तमान की कृतियों के मध्य आलोचनात्मक संबंध स्थापित कर सकेंगे।
भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 :काव्य स्वरूप और प्रकार

काव्य : अर्थ , परिभाषा ,काव्य लक्षण, काव्य के तत्व, काव्य सृजन की प्रक्रिया ,काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन
काव्य भेद :महाकाव्य ,खंडकाव्य, गीतिकाव्य ,चंपू काव्य

इकाई 2:रस सिद्धांत

रस परिभाषा और स्वरूप , रस निष्पत्ति , साधारणीकरण
सहृदय की अवधारणा

इकाई 3:

अलंकार सिद्धांत :स्वरूप तथा स्थापनाएं ,अलंकार के भेद- उपभेद
रीति सिद्धांत: स्वरूप तथा स्थापनाएं , रीति के भेद -उपभेद

इकाई 4 :

ध्वनि सिद्धांत: स्वरूप तथा स्थापनाएं, ध्वनि के भेद- उपभेद , गुणिभूत व्यंग्य ,चित्र काव्य
वक्रोक्ति सिद्धांत:स्वरूप तथा स्थापनाएं एवं वक्रोक्ति के भेद - उपभेद
औचित्य सिद्धांत :स्वरूप तथा स्थापनाएं एवं औचित्य के भेद

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें :

1. काव्यशास्त्र ,भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी
2. हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास भागीरथ मिश्र , लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
3. भारतीय काव्यशास्त्र, योगेंद्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन , इलाहाबाद
4. भारतीय काव्यशास्त्र ,सत्यदेव चौधरी , अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली
5. काव्य के रूप , गुलाब राय प्रतिभा प्रकाशन मंदिर , नई दिल्ली
6. साहित्य लोचन ,श्यामसुंदर दास , इंडियन प्रेस, प्रयाग
7. हिंदी आलोचना , उद्भव और विकास- भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन , देहरादून
8. आलोचक और आलोचना, बच्चन सिंह , विश्वविद्यालय प्रकाशन ,नई दिल्ली
9. प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया, हौसिला प्रसाद सिंह , विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
10. साहित्य का आधार दर्शन, जय नाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन , भिवानी

<u>निर्देश</u> :

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ 2 प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी 1 प्रश्न का चयन करके कुल 4 कर प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

2 . पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमे से 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंको का होगा।

3 .पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (द्वितीय सेमेस्टर)
DSE02-हिंदी भाषा और लोक साहित्य

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/DSE202	Credit
Course Title	हिंदी भाषा और लोक साहित्य	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य
विद्यार्थियों को लौकिक साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना।
हिंदी भाषा और लौकिक साहित्य की शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम परिणाम
हिंदी लौकिक साहित्य की समग्र परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध साहित्य के स्वरूप की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1: हिंदी भाषा का विकास-
1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
2. प्राचीन भारतीय आर्य भाषा : वैदिक व लौकिक संस्कृत
3. मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा: पाली, प्राकृत व अपभ्रंश
4. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण

इकाई 2: हिंदी भाषा के विविध रूप -
1. राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी
2. संचार भाषा के रूप में हिंदी
3. हिंदी की संवैधानिक स्थिति

इकाई 3 : हिंदी के लौकिक साहित्य का स्वरूप –
1. सर्वेक्षण और संकलन
2. लौकिक साहित्य का स्वरूप
3. भारत में लोक साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान
4. लोक साहित्य में अभिव्यक्ति और अनुभूति का दर्शन

लोक संस्कृति क्षेत्र और लोक शैलियां -लोकगीत,देवी गीत,संस्कार गीत, ऋतु गीत,लोक गाथा, लोक आख्यान,पंडवानी,रामलीला,नौटंकी, सांग ,बिदेसिया

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी - सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन
2. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयाग
3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार
4. भाषा विज्ञान रसायन - कैलाश नाथ पांडे
5. हिंदी भाषा का इतिहास - भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

निर्देश:

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या 4 होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल 2 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी (द्वितीय सेमेस्टर)
DSE- 03- हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/DSE203	Credit
Course Title	हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
विश्व साहित्य के अंतर्गत हिंदी में अनूदित साहित्य से परिचित कराना।
विभिन्न भाषाओं में अनूदित साहित्य की समझ विकसित करना ।
पाठ्यक्रम परिणाम :
विश्व साहित्य की अवधारणा एवं इतिहास से परिचित होंगे।
हिंदी में अनूदित साहित्य की परंपरा का अवलोकन करना।

<u>पाठ्यक्रम:</u>
इकाई 1 : विश्व साहित्य की अवधारणा , विश्व साहित्य का इतिहास
विश्व साहित्य के अध्ययन की समस्याएं , विश्व साहित्य में हिंदी साहित्य की अवधारणा एवं प्रासंगिकता

इकाई 2 : हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य की परंपरा
भारतेंदु - दुर्लभ बंधु
शुक्ल- कल्पना का आनंद

इकाई 3 : चेखव की कहानियां : कलर्क की मौत , गिरगिट , नक़ाब, तितली , वॉर्ड नंबर 6
न्यायप्रिय : अल्मेयर कामू

संदर्भ पुस्तकें-

1) उपन्यास और लोकतंत्र , मैनेजर पांडेय
2) चेखोव की पांच बेहतरीन कहानियां, हिंदी, सोवियत साहित्य, अंतोन चेखोव
3) उपन्यास की संरचना, गोपाल राय
4) पोलिश कवि चेस्लाव मिलोश कविताएँ ,सं. अशोक वाजपेयी, रेनाता चेक्लास्का
5) दुर्लभ बंधु: भारतेंदु हरिश्चंद्र , सहजयोग प्रकाशन
6) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना ,रामविलास शर्मा

मुकेश कुमारी

निर्देश:

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक **इकाई** में से कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या 4 होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल 2 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (द्वितीय सेमेस्टर)

MDC02--गांधी दर्शन एवं हिंदी साहित्य

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	**241/HIN/MD202**	**Credit**
Course Title	**गांधी दर्शन एवं हिंदी साहित्य**	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के विचारों से परिचित कराना।
महात्मा गांधी के चिंतन और हिंदी साहित्य के अंतर्संबंधों का ज्ञान देना।

पाठ्यक्रम परिणाम :
विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन में गांधी जी के नेतृत्व और उनकी लोकप्रियता के कारकों को समझेंगे।
विद्यार्थी गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य के संबंधों को जानेंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : गांधी-दर्शन : अवधारणा और महत्त्व
गांधी-दर्शन की अवधारणा , सत्य और अहिंसा
गांधी का गीता भाष्य
गांधी और सनातन संस्कृति

इकाई 2 : हिंदी कविता में गांधी
महात्मा जी के प्रति- सुमित्रानंदन पंत
बापू (चार प्रारंभिक अंश)- रामधारी सिंह दिनकर
तुम कागज़ पर लिखते हो- भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई- 3 : हिंदी गद्य में गांधी
पहला गिरमिटिया (अंतिम 50 पृष्ठ)- गिरिराज किशोर
दांडी यात्रा (पृष्ठ 30-67)- मधुकर उपाध्याय

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें

1. गांधी, महात्मा, हिंद स्वराज, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
2. गांधी, महात्मा, सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
3. कृपलानी, कृष्ण, गांधी एक जीवनी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
4. कृपलानी, जे. बी., जीवन और दर्शन, प्रकाशन, विभाग, नई दिल्ली।
5. आचार्य, नंद किशोर, अहिंसा की संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. धर्माधिकारी, दादा, गांधी की दृष्टि, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी।
7. मिश्र, श्री प्रकाश, अहिंसा का उत्तर आधुनिक परिप्रेक्ष्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।

निर्देश-

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या 4 होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल 2 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (द्वितीय सेमेस्टर)
AEC02-- हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति- II

पूर्णांक :50
बाह्य लिखित परीक्षा :35
आंतरिक मूल्यांकन :15
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	**241/HIN/AE202**	**Credit**	
Course Title	**हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति- II**	2	

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
हिंदी रचनात्मक काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।
हिंदी रचनात्मक काव्य और रचनात्मक लेखन की रचना प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रयोग।

पाठ्यक्रम परिणाम:
रचनात्मक काव्य और हिंदी साहित्य की सैद्धांतिक समझ।
लेखन की विषयवस्तु का निर्धारण एवं चयन की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : लेखन की विषयवस्तु का निर्धारण एवं चयन-
गीत लेखन, प्रबंध लेखन, लंबी कविता लेखन, लघु कथा, एकांकी, उपन्यास आदि के लेखन की प्रविधि एवं प्रक्रिया

इकाई 2 :प्रिंट एवं दृश्य श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार-

- **प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार:-**
  समाचार पत्र के लिए रचनात्मक लेखन के क्षेत्र, प्रविधि और प्रक्रिया
  पत्रिकाओं के लिए रचनात्मक लेखन के क्षेत्र, प्रविधि और प्रक्रिया

- **श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार:-**
  रेडियो के लिए रचनात्मक लेखन के क्षेत्र, प्रविधि और प्रक्रिया

- **दृश्य श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार:-**
  टी.वी. के लिए रचनात्मक लेखन के क्षेत्र, प्रविधि और प्रक्रिया
  कम्प्यूटर के लिए रचनात्मक लेखन के क्षेत्र, प्रविधि और प्रक्रिया

- रेडियो प्रहसन और नाट्य लेखन
- रेडियो प्रसारण, एनीमेशन और सृजनशीलता
- हास्य, व्यंग्य एवं मनोरंजन विषयक लेखन और रचनाशीलता

संदर्भ पुस्तकें-

1. मीडिया लेखन कला ,सूर्य प्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल
2. फीचर लेखन , पूरचंद टंडन, सुनील तिवारी
3. रचनात्मक लेखन , सं. रमेश गौतम, राजेंद्र गौतम, प्रभात रंजन
4. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद, सुरेश सिंहल, पूरनचंद टंडन

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक **इकाई** में कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या 4 होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 16 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (द्वितीय सेमेस्टर)
SEC01-- हिन्दी भाषा का रचनात्मक स्वरूप

परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/SE201	Credit	TI	TE	PI	PE	TOTAL MARKS
Course Title	हिंदी भाषा का रचनात्मक स्वरूप	2	05	20	05	20	50

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

हिंदी भाषा में रचनात्मक लेखन कौशल को विकसित करना।

छात्रों में रचनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ाना।

पाठ्यक्रम परिणाम :

विभिन्न लेखन प्रक्रियाओं का प्रयोग करना - जैसे कि निबंध लेखन, कविता लेखन, और कहानी लेखन।

भाषा का सही उपयोग करके स्पष्ट और प्रभावशाली रचनात्मक लेखन क्षमता विकसित होगी।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत-

विविध अभिव्यक्ति- क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन

लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य ,नाट्य , पाठ्य, मुद्रित , इलेक्ट्रॉनिक आदि।

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन : भाषा-संदर्भ-

अर्थ निर्मित के आधार : शब्दार्थ-मीमांसा, शब्द के प्राक्-प्रयोग, नव्य-प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटियाँ

भाषा की भंगिमाएँ : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित मानक

विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यवहारिक अध्ययन-

कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

कथासाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श

प्रायोगिक कार्य :खेल समाचार पर रिपोर्ट , "स्वच्छ भारत अभियान" विषय पर पोस्टर हेतु विज्ञापन-संदेश

मुकेश कुमारी

Rajal

संदर्भ पुस्तकें :

1. साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम - रघुवंश
2. शैली - रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन- संपा. रमेश गौतम
4. कला की जरूरत - अन्र्स्ट फिशर, अनुवाद - रमेश उपाध्याय
5. साहित्य का सौंदर्यचिंतन - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
6. सृजनशीलता और सौंदर्यबोध - निशा अग्रवाल
7. समकालीन कविता में छंद - अज्ञेय
8. कविता से साक्षात्कार - मलयज
9. कविता क्या है- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
10. एक कवि की नोटबुक - राजेश जोशी

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में कम से क़म एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या चार होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 10 अंकों का होगा।

2. 2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल चार लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमे से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 6 अंकों का होगा।

3. 3.पूरे पाठ्यक्रम में 4 से वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी (तृतीय सेमेस्टर)

CC-A07-प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 1

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	241/HIN/CC307	Credit
Course Title	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 1	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

पृथ्वीराज रासो के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रासो काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।
विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में शृंगार के विभिन्न पक्षों को हृदयगंम कराना।

पाठ्यक्रम परिणाम

काव्य जगत् के महान् नायकों कबीरदास , सूरदास , तुलसीदास के कार्य अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात किया।
रीतिकाल अध्ययन के माध्यम से शृंगारिकता के विविध पक्षों के अध्ययन के साथ-साथ वीर रसात्मक कविताओं का अध्ययन किया।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1: - व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

चन्दरवरदायी : पृथ्वीराज रासो का पद्मावती समय : संपादक माताप्रसाद गुप्त
विद्यापति : विद्यापति की पदावली : संपादक-रामवृक्षबेनीपुरी-(निर्धारित पद)- 1,2,4,8,9,11,12,14,35,38, 62,72,141,144,145,174,176,178,190,191,199(अ),216,252,235,253- कुल 25 पद

इकाई 2: - व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

कबीर - : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी-(निर्धारित अंश)

(I) साखियाँ- 106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177, 178, 190, 191, 200, 201, 202, 203, 204, 219, 220, 221, 222, 203, 231, 232, 233, 234, 235, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 245, 246, 255, 256

(II) पद- 110, 130, 134, 137, 159, 160, 163, 168, 184, 192, 207, 209, 211, 212, 215, 218, 224, 227, 228, 229, 125, 247, 250, 253, 254- कुल 25 पद

इकाई 3 :-

चन्दबरदायी:पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता , पृथ्वीराज रासो का वस्तु-वर्णन , पद्मावती समय का काव्य-सौन्दर्य
विद्यापति :विद्यापति : भक्त या शृंगारी कवि , विद्यापति का शृंगार वर्णन , विद्यापति का सौन्दर्यबोध , विद्यापति की गीतियोजना, विद्यापति का काव्य-शिल्प

इकाई 4:-

कबीर:कबीर की सामाजिक विचारधारा , कबीर की निर्गुणोपासना , कबीर की भक्ति , कबीर का दार्शनिक चिन्तन , कबीर की प्रासंगिकता , कबीर का काव्य-शिल्प

संदर्भ पुस्तकें-

1. पृथ्वीराज रासो : साहित्यिक मूल्यांकन डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य लोक प्रकाशन, कानपुर
2. चन्दबरदायी और उनका काव्य, विपिन बिहारी त्रिवेदी एवं हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
3. विद्यापति का सौन्दर्यबोध- डॉ. रामसजन पाण्डेय, अनंग प्रकाशन मन्दिर, दिल्ली।
4. विद्यापति : व्यक्ति और कवि-डॉ. रामसजन पाण्डेय, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली
5. कालजयी कबीर- डॉ. हरमेन्द्र सिंह बेदी, गुरु नानक देव युनिवर्सिटी, अमृतसर।
6. कबीर मीमांसा- डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. संत कबीर- रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।

निर्देश-

1.इकाई 1 और इकाई 2 में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के 5 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

2. इकाई 3 और इकाई 4 में निर्धारित विषयों में से कोई 6 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 3 प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 30 अंक का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

4.पूरे पाठ्यक्रम में 9 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमार

एम.ए. हिंदी (तृतीय सेमेस्टर)

CC-AO8-आधुनिक गद्य साहित्य

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	**241/HIN/CC308**	**Credit**
Course Title	**आधुनिक गद्य साहित्य**	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

आधुनिक गद्य-साहित्य नई सोच और नये दृष्टिकोण को विकसित करना।

आधुनिक गद्य-साहित्य के विभिन्न रूपों (निबंध, कहानी, उपन्यास) की विशेषताओं को समझ सकेंगे।

पाठ्यक्रम परिणाम:

आधुनिक गद्य-साहित्य के परिवेश और मनुष्य के संबंध को समझ सकेंगे।

आधुनिक गद्य-साहित्य के परिवेश का मूल्यांकन कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : उपन्यास एवं कहानियाँ :-

गोदान- प्रेमचंद (उपन्यास)

कथान्तर - निर्धारित् कहानियाँ

1) **उसने कहा था** — चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2) **कफ़न** — मुंशी प्रेमचंद
3) **आकाशदीप** — जयशंकर प्रसाद
4) **पत्नी** — जैनेंद्र कुमार
5) **गैंग्रीन** — अज्ञेय
6) **वापसी** — उषा प्रियंवदा
7) **लाल पान की बेगम** — फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई 2 : नाटक और निबंध

नाटक : आधे अधूरे - मोहन राकेश (नाटक)

निर्धारित निबंध:

1) **मज़दूरी और प्रेम — रामवृक्ष बेनीपुरी**
2) **कविता क्या है — आचार्य रामचंद्र शुक्ल**
3) **नाखून क्यों बढ़ते हैं** — हज़ारीप्रसाद द्विवेदी

मुकेश कुमारी

इकाई 3 :

गोदान- कृषक जीवन का महाकाव्य , युगीन समस्याओं का निरूपण , प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण , प्रेमचंद के साहित्य में गोदान का स्थान

कहानी संग्रह- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की मूल संवेदना और शिल्प

इकाई 4 :

आधे-अधूरे : आधुनिकता बोध, परिवार संस्था का स्वरूप, प्रयोगधर्मिता, चरित्र-चित्रण

निबंध: पाठ्यक्रम में निर्धारित निबंधों का मूल प्रतिपाद्य एवं शिल्प

संदर्भ पुस्तकें:-

1. गोदान : विविध संदर्भों में : डॉ. रामाश्रय मिश्र, उन्मेष प्रकाशन, हरिद्वार।
2. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. गोदान : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
5. कहांनी : नई कहानी- डॉ. रामवर सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद।
6. हिंदी कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव, नेशनल, पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. हिंदी कहानी : एक नई दृष्टि : डॉ. इन्द्रनाथ मदान, संभावना प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : एक अन्तर्यात्री : डॉ. वेद प्रकाश अमिताभ, अभिसार प्रकाशन, मेहसाना।
9. हिंदी कहानी : रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव, ग्रंथम् कानपुर।
10. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोक भारती, इलाहाबाद।

निर्देश :

1) इकाई 1 और इकाई 2 में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल 5 अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं 3 अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंकों का होगा।

2) इकाई 3 और इकाई 4 के आलोच्य विषयों में से कोई 6 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 4 प्रश्न करने होंगे। चारो प्रश्न अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 32 अंकों का होगा।

3) पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंकों का होगा।

4) पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक होगा।

एम.ए. हिंदी (सेमेस्टर तृतीय)
CC- पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	241/HIN/CC309	Credit
Course Title	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के अध्ययन से साहित्यिक समझ विकसित होगी।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों का ज्ञान कराना ।

पाठ्यक्रम परिणाम:

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का सम्यक् ज्ञान प्राप्त किया।
पाश्चात्य काव्यशास्त्र के साहित्य में महत्त्व एवं उसकी उपादेयता का विश्लेषण किया।

<u>पाठ्यक्रम:</u>

इकाई 1:

1) अरस्तू : अनुकरण तथा विरेचन सिद्धान्त
2) लोंजाइंस: उदात्त की अवधारणा
3) ड्राइडन : काव्य सिद्धांत

इकाई 2:

1) कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत
2) टी.एस. इलियट : निर्वैयक्ति का सिद्धांत
3) रिचर्ड्स का संवेगों का संतुलन

इकाई 3:

1) अभिजात्यवाद
2) स्वच्छन्दतावाद
3) अभिव्यंजनावाद

इकाई 4 :

1) मार्क्सवाद
2) फ्रायडवाद
3) आधुनिकतावाद

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त, डॉ. मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा,डॉ. तारकनाथ बाली, शब्दकार, नई दिल्ली
4. आलोचक और आलोचना,बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया,हौसिलाप्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. पाश्चात्य काव्य चिंतन,डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र : अधुनातन संदर्भ,सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार,रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

निर्देश-

1. पूरे पाठ्यक्रम में से 8 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को इनमें से कोई 4 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 11 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 44 अंक का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग 250 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (तृतीय सेमेस्टर)
DSE- हिंदी भाषा एंव कोश विज्ञान

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/DSE303	Credit
Course Title	हिंदी भाषा एंव कोश विज्ञान	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
कोश के रूप की सैद्धांतिक जानकारी देना।
कोश निर्माण की प्रक्रिया से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम परिणाम:
कोश के रूप की सैद्धांतिक जानकारी देना और शब्दकोश, समानान्तर कोश, लोकोक्ति-मुहावरा कोश, सन्दर्भ कोश आदि के निर्माण की प्रविधि से अवगत कराया।
कोश विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी देते हुए अन्य विषयों से अंतरसंबंध।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1
कोश : परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का अंतःसंबंध
कोश विज्ञान और अन्य विषयों का संबंध : पाश्चात्य कोश परंपरा, हिंदी कोश साहित्य का इतिहास, हिंदी के प्रमुख कोश और कोशकार

इकाई 2
कोश-निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग, उप-प्रविष्टयां, संक्षिप्तियां, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ।

इकाई 3
कंप्यूटर और कोश-निर्माण , कंप्यूटर में हिंदी वर्णमाला तथा वर्तनी के मानकीकरण की समस्या
कंप्यूटर में हिंदी की-बोर्ड के विविध रूप , वैब- पब्लिशिंग तथा इंटरनेट सामग्री सृजन

संदर्भ पुस्तकें :

1.हिंदी शब्द सामर्थ्य, शिवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
2.भाषायी अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3.हिंदी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5.अर्थानुशासन (शब्दार्थ-विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6.शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
7.कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8.अर्थानुशासन (शब्दार्थ-विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश-

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या 4 होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल 2 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (तृतीय सेमेस्टर)
DSE-हिंदी भाषा: व्यावहारिक कौशल एवं अभिवृद्धि

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/DSE303	Credit
Course Title	हिंदी भाषा: व्यावहारिक कौशल एवं अभिवृद्धि	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
हिंदी भाषा, सम्प्रेषण कौशल एवं समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना ।
हिंदी कमेंट्री (आँखों देखा हाल) की प्रस्तुति हेतु विश्लेषणात्मक ज्ञान देना।

पाठ्यक्रम परिणाम: :
हिंदी भाषा, सम्प्रेषण, पुस्तक समीक्षा की सैद्धान्तिक समझ विकसित होगी।
आँखों देखा हाल (कमेंट्री) के द्वारा गुणों को विकसित किया।

<u>पाठ्यक्रम:</u>

इकाई-1 : सम्प्रेषण का अर्थ , सम्प्रेषण के विविध रूप , सम्प्रेषण के प्रयोजन , सम्प्रेषण की प्रक्रिया

इकाई-2 : पुस्तक समीक्षा से अभिप्राय , पुस्तक समीक्षा का महत्व , अच्छे समीक्षक के गुण

इकाई-3 : आँखों देखा हाल (कमेंट्री)

1) **आँखों देखा हाल (कमेंट्री)** :- तात्पर्य ,प्रकार एवं उपयोगिता
2) आँखों देखा हाल (कमेंट्री) सम्बन्धी आवश्यक बातें
3) कमेंट्री की विशेषताएँ , कमेंट्री से पूर्व तैयारी
4) विभिन्न प्रकार की कमेंट्री

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी शब्द सामर्थ्य, शिवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भाषायी अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण, किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजयकुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. अर्थानुशासन (शब्दार्थ-विज्ञान) राजकमल कोश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

मुकेश कुमारी

6. शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक इकाई से कम से कम 1 प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 32 अंक का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम से 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किहीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (तृतीय सेमेस्टर)
MDC 03-भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	**241/HIN/MD303**	**Credit**
Course Title	**भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच**	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम परिणाम:

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय।
भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी।

पाठ्यक्रम

इकाई-1 :

नाटक की भारतीय अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंध मान्यताएं)

इकाई-2 :

भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)
आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

इकाई-3 :

अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत
अरस्तू: विरेचन सिद्धांत
पाश्चात्य नाट्यरूप: त्रासदी, ड्रामा
पाश्चात्य नाट्यरूप: कॉमेडी , मेलोड्रामा

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारतीय रंगमंच - ईश्वर चंद्र विद्यासागर
2. नाट्यशास्त्र- भरतमुनि (पारंपरिक नाट्य शास्त्र)
3. भारत में रंगमंच - शंकर पाटिल
4. नाट्यशास्त्र और भारतीय रंगमंच - रामचंद्र शुक्ल
5. पाश्चात्य रंगमंच का इतिहास- एरिक बेनम

भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच का तुलनात्मक अध्ययन पुस्तकें :

1. Theatre in India: A Historical Perspective- D. S. L. Nair
2. Indian Theatre: A Historical Survey- S. K. Bhattacharya
3. World Theatre: An Introduction- Michael Hinden

निर्देश-

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से कम से कम 1 दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या 4 होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 10 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी (तृतीय सेमेस्टर)
SEC-02 मौखिक भाषायी दक्षता

परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/SE302	Credit	TI	TE	PI	PE	TOTAL MARKS
Course Title	मौखिक भाषायी दक्षता	2	05	20	05	20	50

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

भाषा की समझ विकसित करना: छात्रों में राजभाषा की गहन समझ विकसित करना ताकि वे सरकारी और प्रशासनिक कार्यों में इसका प्रभावी उपयोग कर सकें।

सांस्कृतिक जागरूकता: राजभाषा के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

पाठ्यक्रम परिणाम :

भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन और तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।

भाषायीदक्षता: विद्यार्थियों को राजभाषा में लिखने, पढ़ने और बोलने की दक्षता उत्पन्न होगी।

पाठ्यक्रम :

इकाई -1 भाषायी दक्षता के आयाम

भाषायी दक्षता से तात्पर्य

भाषायी दक्षता का महत्त्व

श्रवण और वाचन

पठन और लेखन

इकाई-2 : भाषायी दक्षता के कारक तत्त्व

भाषा-व्यवहार (भाषिक प्रयोग और शैली)

शब्द-सामर्थ्य - सामान्य एवं तकनीकी शब्द

सुनना और बोलाना- प्रभावी श्रवण के आयाम, शुद्ध उच्चारण, भाषण, एकालाप, वार्तालाप

पढ़ना और लिखना- स्वाध्याय और उद्देश्य-केन्द्रित पठन, सामान्य लेखन और रचनात्मक लेखन

प्रायोगिक कार्य :-

समसामयिक विषय पर 200 शब्दों का वक्तव्य , सोशल मीडिया के प्रभाव और कुप्रभाव पर अपना विचार व्यक्त करें ।

बाज़ारवाद से प्रभावित युवा पीढ़ी ।

संदर्भ पुस्तकें -

1. कंप्यूटर एसिसटेड लैंग्वेज लर्निंग, मीडिया डिजाइन एंड एप्लीकेशंस- कीथ कैमेरॉन
2. भाषा शिक्षण- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
3. सृजनात्मक साहित्य- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

निर्देश-

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या चार होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 10 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल चार लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमे से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 6 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में 4 से वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी (तृतीय सेमेस्टर)
VAC-02 पर्यावरण और हिंदी साहित्य

पूर्णांक :50
बाह्य लिखित परीक्षा :35
आंतरिक मूल्यांकन :15
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/VA302	Credit
Course Title	VAC-02 पर्यावरण और हिंदी साहित्य	2

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।
हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना के विषय में बताना।
पाठ्यक्रम परिणाम :
विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
पर्यावरण और जीव- जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

पाठ्यक्रम:
इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास.
प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा ,महत्व और विकास की अवधारणा
हिंदी कविता में प्रकृति- **सतपुड़ा के घने जंगल-** भवानीप्रसाद मिश्र

इकाई -2 : कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण

बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित विषय) : नागार्जुन
- आध्यात्मिकता और पर्यावरण की अंतर्क्रियाएँ

कथेतर में प्रकृति-चेतना
हल्दी-दूब और दधि-अक्षत (निर्धारित विषय) – विद्यानिवास मिश्र
- परंपरा में पर्यावरणीय प्रतीकों की व्याख्या

आज भी खरे हैं तालाब (निर्धारित विषय) – अनुपम मिश्र
- पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियाँ और ग्रामीण ज्ञान

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें :

1. राजस्थान की रजत बूंदे- अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
2. विकास और पर्यावरण- सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल- सोपान जोशी, रामकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध- सुभाष शर्मा, प्रकाशन, विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज- अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा- अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या चार होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 16 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल छः लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमे से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)

CC-A10- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 2

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	241/HIN/CC410	Credit
Course Title	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - 2	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

'पृथ्वीराज रासो' के अध्ययन के माध्यम से आदिकालीन रासो काव्यों की प्रवृत्तियों को समझना।
विद्यापति के अध्ययन के माध्यम से मैथिल कोकिल की रचनाओं में संचरित श्रृंगार के विभिन्न् पक्षों को हृदयंगम किया जाएगा।

पाठ्यक्रम परिणाम :

मध्यकाल के अन्तर्गत भक्तिकाल के महान नायकों कबीर, सूर, तुलसी के काव्य के अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना।
रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से श्रृंगारिकता के विविध पक्षों का ज्ञान प्राप्त होगा।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 :- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तकें:-

<u>सूरदास:</u> **भ्रमरगीत सार** : संपादक रामचन्द्र शुक्ल - पाठ्य पद-21 से 70-कुल 50 पद

<u>तुलसीदास:</u> **रामचरितमानस - गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर**
बालकाण्ड-1 से 7, 17, 20, 22
अयोध्या काण्ड-1, 2, 7, 11, 12, 19 से 28
उत्तरकाण्ड- 26 से 60

इकाई 2 :-

<u>बिहारी</u> : **बिहारी रत्नाकर- सं. जगन्नाथदास रत्नाकर-** (निर्धारित दोहे)- 1, 2, 3, 4, 11, 13, 15, 19, 20, 21, 25, 31, 32, 38,42, 45, 46, 51, 42, 53, 54, 55, 60, 61, 66, 67, 69, 70, 71, 73, 74, 75, 76, 78, 83, 85, 87, 88, 94, 95, 102, 103, 104, 112, 121, 141, 142, 151, 154, 155, 171, 782, 188, 190, 191, 192, 201, 202, 207, 217, 225, 227, 228, 236, 251, 255, 285, 299, 300, 301, 303, 3017, 321, 327, 331, 341, 347, 349, 357, 363, 386, 388, 406, 407, 432, 472, 519, 557, 570, 576, 588, 606, 611, 624, 635, 677, 681, 713-100 दोहे।

मुकेश कुमारी

इकाई 3 :-

<u>सूरदासः</u> भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत , सूर की भक्ति भावना , सूर का श्रृंगार वर्णन , सूर का वात्सल्य वर्णन , सूर की भाषा-शैली , सूर का गीतियोजना , भ्रमरगीत का प्रतिपाद्य

<u>तुलसीदासः</u> तुलसीदास की भक्तिभावना , तुलसीदास की सामाजिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि , तुलसीदास की प्रासंगिकता , तुलसीदास की समन्वय भावना , कवितावली का काव्य रूप , कवितावली का काव्य सौष्ठव ,तुलसी की लोकमंगल-भावना

इकाई 4 :-

<u>बिहारी :</u> सतसई काव्य परम्परा और बिहारी सतसई , मुक्तक काव्य परम्परा और बिहारी , बिहारी का श्रृंगार वर्णन,बिहारी का सौन्दर्यबोध ,बिहारी की बहुज्ञता , बिहारी का शिल्प पक्ष

संदर्भ पुस्तकें :

1.तुलसी दर्शन मीमांसा,उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

2.तुलसीदास,चन्द्रबली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।

3.तुलसी साहित्य के सांस्कृतिक आयाम- डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा, हिंदी, साहित्य संस्थान, रोहतक।

4.तुलसी का मानस,डॉ. मुंशीराम शर्मा, कानपुर

5.सूर और उनका साहित्य,डॉ. हरिवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।

6.सूर की सा,हित्य साधना, डॉ. भगवत्स्वरूप मिश्र एवं विश्वम्भर अरुण, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा।

7.बिहारीबच्चन सिंह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।

8.महाकवि बिहारी का श्रृंगार निरुपण,डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

निर्देश-

1.इकाई 1 और इकाई 2 में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। परीक्षार्थी को तीनों अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 5 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

2। इकाई 3 और इकाई 4 में निर्धारित विषयों में से कोई छः प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग-अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अकं का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षी को 200 शब्दों में किहीं पांच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4. पूरे पाठ्यक्रम में से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)
CCA11-नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

Course ID	241/HIN/CC411	Credit	
Course Title	नाटक एवं रंगमंच	4	

पाठ्यक्रम उद्देश्य:
विभिन्न नाटककारों और उनके नाटकों का विशिष्ट ज्ञान देना।
रंगमंच का विश्लेषणात्मक ज्ञान देना (भारतीय,पाश्चात्य और लोक सांस्कृतिक)
पाठ्यक्रम परिणाम:
हिंदी साहित्य के नाटकों का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा।
प्रमुख नाटककारों और नाटकों की समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम :
इकाई 1:
- हिंदी नाटक एवं रंगमंच : परिचयात्मक अध्ययन , हिंदी नाटक: उद्भव और विकास, नाटक और रंगमंच का अंत:संबंध, हिंदी रंगमंच का उद्भव और विकास , नाटक में दृश्य - श्रव्य तत्वों का सामंजस्य

इकाई 2 :
- हिंदी रंगमंच , रंगशाला, अभिनेता, निर्देशक, दर्शक ,रंग सज्जा, पारसी-रंगमंच , पृथ्वी थियेटर ,नुक्कड़ नाटक, इप्टा , नौटंकी

इकाई 3 : पाठ्य पुस्तकें-
1)भारत- दुर्दशा : भारतेंदु हरिश्चंद्र
2)अंधा युग : धर्मवीर भारती
3)बकरी : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई 4:
- अंधा युग - काव्य की कसौटी पर मूल्यांकन, मूल संवेदना, नामकरण की सार्थकता , प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण।
- बकरी - प्रतिपाद्य, प्रतीकात्मकता , युगीन परिदृश्य,अभिनेयता
- भारत दुर्दशा- प्रतिपाद्य , प्रतीकात्मकता, युगीन परिदृश्य, अभिनेयता

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें:

1. रंगमंच, बलवंत गार्गी
2. हिंदी रंगमंच का इतिहास, चंदूलाल दुबे
3. नाटक के रंगमंच प्रतिमान, वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
4. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, लक्ष्मीनारायण लाल
5. भारतेंदु की नाट्य कथा ,प्रेमनारायण शुक्ल
6. भारतेंदु युगीन नाटक: सन्दर्भ सापेक्षता, रमेश गौतम
7. अंधा युग और भारती के अन्य नाटक प्रयोग, जयदेव तनेजा

निर्देश –

1.इकाई 1 में से कुल तीन दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पाठ्य-पुस्तक के लिए इकाई 4 में से निर्धारि विषय में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। दोनों प्रश्न करना अनिवार्य है। इस प्रकार परीक्षार्थी को कोई तीन प्रश्न दीर्घ प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

2. इकाई 2 में निर्धारित टिप्पणियों में से कोई आठ लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में से किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।

3. इकाई 3 में निर्धारित पाठ्य- पुस्तकों में से तीन- तीन अवतरण सन्दर्भ सहित व्याख्या के लिए पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक पुस्तक में से कम से कम एक व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए पांच अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

4 .पूरे पाठ्यक्रम से 5 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)

DSE04- हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/DSE404	Credit
Course Title	हिंदी भाषा एवं तकनीकी कौशल	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य-

विभिन्न प्रकार के पत्रों (सरकारी-अर्द्धसरकारी एवं व्यावहारिक पत्र) का विश्लेषणात्मक एवं कौशलपरक ज्ञान।
जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का परिचय।

पाठ्यक्रम परिणाम:

पत्र लेखन तथा सरकारी एवं प्राइवेट कार्यालय में कार्य करने के अनुरूप कौशल प्रदान करेंगे।
विभिन्न संस्थाओं के लिए प्रोफाइल लेखन सम्बन्धी कौशल प्रदान करेंगे।

पाठ्यक्रम:

इकाई-1 - कार्यालयी आदेश

1) कार्यालयी ज्ञापन
2) पल्लवन
3) संक्षेपण
4) अधिसूचना एवं संकल्प
5) प्रारूप (मसौदा लेखन)

इकाई-2: पत्र लेखन-प्रयोजन और प्रकार (औपचारिक एवं अनौपचारिक)

1) सरकारी पत्र
2) अर्द्ध सरकारी पत्र
3) व्यावसायिक पत्र
4) निमंत्रण पत्र
5) बधाई पत्र

इकाई-3:विज्ञापन का अर्थ और परिभाषा , विज्ञापन के प्रकार (मुद्रित, रेडियो, टेलीविजन) , विज्ञापन का वर्गीकरण (निश्चित पाठक-श्रोता, दर्शक वर्ग, भौगोलिक क्षेत्र, प्रयुक्त विज्ञापन माध्यम)

अनुवाद : परिभाषा अर्थ एवं स्वरूप , अनुवाद का महत्त्व ,अनुवाद के प्रकार

संदर्भ पुस्तकें-

1. राजभाषा हिंदी, कैलाश चंद भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रशासनिक हिंदी, महेश चंद्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. व्यावहारिक हिंदी और स्वरूप, वाणी प्रकाशन हिंदी, नई दिल्ली
4. व्यवहारिक पत्र-लेखन कला,डॉ. डी.एस. पोखरिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रयोजन मूलक कामकाजी हिंदी,डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिक्षा प्रकाशन, नई दिल्ली
6. व्यावसायिक हिंदी,डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, नई दिल्ली
7. जनमाध्यम और पत्रकारिता, प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान, कानपुर
8. पत्रकार कला, विष्णुदत्त शुक्ल, सहयोगी, प्रकाशन, कानपुर
9. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त एवं प्रविधि- किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली
10. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण,प्रो. हरिमोहन, तक्षशिक्षा प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
11. अनुवाद अध्ययन का परिदृश्य देवीशंकर नवीन, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से दो-दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 32 अंक का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम से 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किहीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

सुरेखा कुमारी

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)
DSE04- प्रयोजनमूलक हिंदी

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/DSE404	Credit
Course Title	प्रयोजनमूलक हिंदी	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

छात्रों को इस बात की समझ देना कि प्रयोजनमूलक हिंदी का महत्व क्या है और इसका उपयोग कहाँ-कहाँ होता है।
कार्यस्थल पर हिंदी के प्रभावी उपयोग के लिए छात्रों को तैयार करना जैसे सरकारी दफ्तरों, मीडिया, प्रबंधन और तकनीकी आदि क्षेत्रों में।

पाठ्यक्रम परिणाम:

छात्रों को हिंदी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान होगा जिससे वे इसे विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग कर सकेंगे।
छात्र अनुवाद करने में सक्षम होंगे और इसके विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे।

पाठ्यक्रम :

इकाई -1 : प्रयोजनमूलक हिंदी :- अभिप्राय और क्षेत्र

अर्थ-विस्तार, आवश्यकता और विशेषताएँ
हिंदी की भूमिकाएँ : राजभाषा,साहित्यिक भाषा,माध्यम भाषा
पारिभाषिक शब्दावली का निर्धारण एवं सामान्य विशेषताएँ, वर्गीकरण
लिपि-वर्तनी का मानक रूप , शब्द संपदा और उसका मानकीकरण , आधारभूत वाक्य संरचना

इकाई-2 : जनसंचार में हिंदी :- जनसंचार माध्यम : विविध आयाम , विज्ञापन और हिंदी , संपादन कला

इकाई- 3 : वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा रूप:-

वैज्ञानिक और तकनीकी हिंदी की प्रयुक्तियाँ ,वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली ,वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें:

1.हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाशचन्द्र भाटिया

2.प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी : कैलाशचन्द्र भाटिया

3.भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी : संपादक पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमारी तिवारी

4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयुक्ति जितेन्द्र वत्स

5.हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद : पूरनचंद टंडन

निर्देश :

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों को कुल चार प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 32 अंक का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम से 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किहीं 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंक का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)
MDC- 04 हिंदी साहित्य: विविध विमर्श

पूर्णांक :75
बाह्य लिखित परीक्षा :50
आंतरिक मूल्यांकन :25
परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/MD404	Credit
Course Title	हिंदी साहित्य: विविध विमर्श	3

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

हिंदी साहित्य में विभिन्न साहित्यिक विमर्शों की समझ विकसित करना।
संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, पाठक-प्रतिक्रिया सिद्धांत, नारीवाद, दलित विमर्श आदि आधुनिक आलोचनात्मक दृष्टिकोणों का परिचय एवं अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

विद्यार्थी आलोचनात्मक सिद्धांतों की मदद से हिंदी साहित्य के पाठों का विश्लेषण और मूल्यांकन कर सकेंगे।
नारीवाद, दलित विमर्श, उत्तर-औपनिवेशिक और सांस्कृतिक अध्ययन जैसे विविध विमर्शों की गहरी समझ विकसित होगी।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1 : विमर्शों की सैद्धांतिकी अवधारणा:-

दलित विमर्श: अवधारणा और आंदोलन: 1) महात्मा ज्योतिबा फूले का वैचारिक संघर्ष
2) डॉ. अंबेडकर : मुक्ति संघर्ष के विविध आयाम

स्त्री विमर्श: अवधारणाएं और मुक्ति आंदोलन : 1) स्त्री विमर्श की अवधारणाएं
2) पाश्चात्य सन्दर्भ और भारतीय सन्दर्भ

इकाई 2 : विमर्श मूलक कथा और कविता साहित्य:-

नासीरा शर्मा - खुदा की वापसी

1) खुदा की वापसी : एक परिचय
2) नासिरा शर्मा : जीवन परिचय
3) खुदा की वापसी का सारांश

मुकेश कुमारी

विमर्श मूलक कविता :-

दलित कविता : अछूत आनंद : दलित कहां तक पड़े रहेंगे

स्त्री कविता : कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चंपा

इकाई - 3 : विमर्श मूलक अन्य गद्य विधाएं :-

तुलसीराम : मुर्दहिया - चौधरी चाचा से प्रारंभ: पृष्ठ संख्या 125 से 135 (व्याख्या)

1) मुर्दहिया : एक परिचय
2) तुलसीराम : जीवन परिचय
3) मुर्दहिया का सारांश

संदर्भ पुस्तकें :

1. सिमोन द बोउवा - स्त्री उपेक्षिता
2. गुलामगीरी- ज्योतिबा फुले
3. स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा- सुधा सिंह
4. मूक नायक, बहिष्कृत भारत - अंबेडकर
5. शिकंजे का दर्द - सुशीला टांकभौर
6. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- शरण कुमार लिंबाले
7. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र- ओमप्रकाश वाल्मीकि
8. दलित आंदोलन का इतिहास- मोहनदास नैमिशराय
9. नारीवादी राजनीति- जिनी निवेदिता

निर्देश-

1.पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक **इकाई** में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।

2.पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3.पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)

AEC- 03 हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति- III

पूर्णांक :50

बाह्य लिखित परीक्षा :35

आंतरिक मूल्यांकन :15

परीक्षा समय : 2 घंटे

Course ID	241/HIN/AE403	Credit
Course Title	हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति- III	2

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

हिंदी भाषा में रचनात्मक लेखन कौशल को विकसित करना।

छात्रों में रचनात्मकता और सोचने की क्षमता को बढ़ाना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति में सुधार होगा।

छात्रों के लेखन और रचनाशीलता में सुधार होगा।

पाठ्यक्रम:

इकाई - 1 : गद्य की आधुनिक विधाओं का लेखन और रचनाशीलता

संस्मरण, रेखाचित्र लेखन और रचनाशीलता

संवाद लेखन और रचनाशील धर्म

रिपोर्ताज लेखन, डायरी लेखन, जीवनी लेखन आदि में रचनाशीलता

इकाई - 2 : श्रव्य माध्यम लेखन (आकाशवाणी)

आकाशवाणी नाटक लेखन प्रविधि और भेद

आकाशवाणी की हिंदी भाषा का स्वरूप

दृश्य-श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन) लेखन

धारावाहिक- स्वरूप, लेखन

दूरदर्शन चलचित्र (टेलीफिल्म) - स्वरूप, लेखन

दूरदर्शन समाचार - स्वरूप, लेखन

मुकेश कुमारी

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिंदी रचनात्मक लेखन- राघवेंद्र पांडेय
2. रचनात्मक लेखन के सिद्धांत- नामवर सिंह
3. सृजन और अभिव्यक्ति - मैनेजर पाण्डेय
4. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास - डॉ. शिवकुमार मिश्र

निर्देश-

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए प्रश्नों की संख्या चार होगी, जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 16 अंकों का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल छः लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे, जिनमे से परीक्षार्थी को 150 शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का होगा। पूरा प्रश्न 12 अंकों का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी